विहार विधान-सभा वादवृत्त।

बुधवार, तिथि २३ मार्च, १९६०।

भारत के संविधान के उपबन्ध के अनुसार एकत्र विधान-सभा का कार्य-विवरण।

सभा का अधिवेशन पटने के सभा-सदन में बुधवार, तिथि २३ मार्च १९६० को ११ बजे पूर्वाह्न में अध्यक्ष श्री विन्ध्येश्वरी प्रसाद वर्मा के सभापतित्व में हुआ।

श्री दीपनारायण सिंह—महाशय, मैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्टूबर, १९५९) के

---

९५५ अनागत प्रश्नों में से १२१ अनागत तारांकित प्रश्नों के उत्तर मेज पर रखता हूं। शेष प्रश्नों के उत्तर सचिवालय के विभागों से प्राप्त होने पर उपलब्ध कराये जायेंगे।

ये हैं गत षष्ठ सत्र (सितम्बर-अक्तूबर, १९५९) के १२१ तारांकित प्रश्नों के उत्तर जो समयाभाव के कारण सदन में नहीं दिये जा सके। शेष प्रश्नों के उत्तर सम्बन्धित विभागों से प्राप्त होने पर प्रस्तुत किये जायेंगे।

एनायतुर रहमान,
सचिव,
विहार विधान-सभा।

सूची।

क्रम सं०।	सदस्य का नाम।	प्रश्न संख्या।
१	श्री इन्द्र नारायण सिंह	५५
२	श्री प्रभुनारायण राय	६६, १२६, २८७
३	श्री सुखु मुर्मू	७२
४	श्री डुमरलाल बैठा	१२२
५	श्री जयनारायण झा 'विनीत'	१२३
६	श्री राजाराम आर्य	१२५
७	श्री राम जयपाल सिंह	१२८, ४२१, ११३२, ११९२
८	श्री सुखदेव मांझी	१५२
९	श्री ब्रजनन्दन शर्मा	१६३, ३३८, ८९६
१०	श्री राघवेन्द्र नारायण सिंह	१६९, २८८
११	श्री महावीर राउत	१८८, २७३
१२	श्री अब्दुल गफूर	२४०

GRANT TO PRIVATE ORGANISATIONS.

1870. Shri ZAWAR HUSSAIN : Will the Minister incharge Education Department be pleased to state—

(1) the names of the private organisations for college girls' tutorial classes which have received grant-in-aid from Government in 1959-60 ;

(2) the amount of grant-in-aid given to each ;

(3) the criteria for eligibility of the aforesaid grant-in-aid ?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) और (२) चालू वित्तीय वर्ष में निम्नलिखित ट्युटोरियल महिला कॉलेजों को अनुदान दिये गये हैं :—

	रु०
(क) समस्तीपुर ट्युटोरियल कॉलेज	१५,०००
(ख) महारानी रामेश्वरी ट्युटोरियल महिला कॉलेज, दरभंगा ..	२०,०००
(ग) जमशेदपुर ट्युटोरियल कॉलेज	१५,०००
(घ) धनबाद ट्युटोरियल कॉलेज	१०,०००
कुल	६०,०००

(३) कॉलेज का कार्यक्रम और आवश्यकताओं के आधार पर सरकार अनुदान स्वीकृत करती है।

शिक्षा प्रगति की रिपोर्ट का प्रकाशन।

१३७२। श्री सरयू प्रसाद सिंह—क्या शिक्षा मंत्री, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(1) Report on the progress of Education in Bihar for the year 1953-54 कब तैयार हुई, कब प्रेस में छपी और विधान-सभा के सदस्यों के बीच कब वितरित हुई ;

(२) क्या सरकार भविष्य में इन वार्षिक रिपोर्टों को समय पर बांटने का प्रयास करेगी ?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) १९५३-५४ का प्रतिवेदन १९५७ में तैयार हुआ फरवरी, १९६० में प्रेस में छपा और २४ फरवरी १९६० से ही राजकीय स्टेशनरी

स्टोर्स एवं प्रकाशन द्वारा विधान सभा के सदस्यों के बीच बांटने का काम आरंभ हुआ। उस दिन विधान मंडल में उपस्थित सदस्यों को इसकी प्रति मिली। पर बाकी सदस्य के बीच बांटने के लिये राजकीय स्टेशनरी स्टोर्स एवं प्रकाशन के एक सहायक एवं एक चपरासी विधान सभा भवन में प्रतिदिन ११ बजे से ५ बजे तक रहते हैं। चूंकि सभी सदस्य अभी तक अपना पॉकेट नहीं लिये हैं, इसलिये वितरण का कार्य समाप्त नहीं हुआ है।

(२) वार्षिक प्रतिवेदन के संकलन के लिये राज्य भर के सभी सम्बद्ध कार्यालय से आवश्यक सांख्यिकी एवं सूचनायें प्राप्त करने की आवश्यकता होती है। सब जगह से समय पर ये प्राप्त नहीं होती है, इसलिये संकलित आंकड़ों के प्रस्तुत तथा अध्ययन कर वार्षिक प्रतिवेदन को तैयार करने में देर होता है। इस कार्य को सुचारु रुप से समय पर करने के लिये कुछ सांख्यिकी सहायकों (Statistical Assistants) के पद का सृजन किया गया है एवं आशा है कि बाकी प्रतिवेदन का मुद्रण तथा प्रकाशन शीघ्र किया जा सकेगा।

RECONSTRUCTION OF CHANCHAUR MIDDLE SCHOOL BUILDING.

1876. Shri BIPIN BIHARI SINGH : Will the Minister in charge of Education Department be pleased to state—

(1) whether it is a fact that Middle School, Chanchaur in the district of Shahabad is in a most deplorable condition ;

(2) if the answer to the above clause be in the affirmative, do Government propose to reconstruct the building of the school, if not, why ?

कुमार गंगानन्द सिंह—(१) उत्तर स्वीकारात्मक है।

(२) इस विद्यालय भवन की मरम्मती के लिये ४,५१२ रुपये स्वीकृत किया गया है। भवन मरम्मत का काम शीघ्र प्रारंभ होगा।

श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह पर आरोप।

१३७८। श्री चुनका हेम्ब्रम—क्या मंत्री, शिक्षा विभाग, यह बताने की कृपा करेंगे कि—

(१) क्या यह बात सही है कि श्री देवेन्द्र प्रसाद सिंह, सहायक शिक्षक, रामशीतार सराय उच्च विद्यालय, जन्दाहा, जिला मुजफ्फरपुर मंडल कांग्रेस कमिटी, महिसौर, थाना महुआ, जिला मुजफ्फरपुर के अध्यक्ष हैं ;

(२) क्या यह बात सही है कि शिक्षा विभाग के नियमानुसार किसी भी शिक्षक को राजनैतिक दल विशेष का पदाधिकारी होना तो दूर रहे उसका सदस्य होना भी वर्जित है ;